

समन्वित बाल विकास योजना में देशभर में एक करोड़ 38 लाख फर्जी लाभार्थी पकड़े गए

गर्भवती महिलाओं, बच्चों के भोजन में भारी घोटाला

हिन्दुस्तान

खुलासा

नई दिल्ली | पंकज कुमार पाण्डेय

गर्भवती महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए बांटे जा रहे पोषाहार में भारी घोटाला सामने आया है। देश में 1.38 करोड़ ऐसे लाभार्थी पकड़े गए हैं जो फर्जी तरीके से इस योजना का लाभ ले रहे थे।

महिला व बाल विकास मंत्रालय के सूत्रों ने माना कि कई राज्यों में



समन्वित बाल विकास योजना के तहत फर्जी पंजीकरण कराया गया। योजना को आधार से जोड़ने के बाद यह फर्जीवाड़ा पकड़ में आया। राज्यों से मिले आंकड़ों के मुताबिक 31

यूपी बिहार में 80% फर्जी

- 64 लाख से अधिक फर्जी लाभार्थी अकेले यूपी में थे
- 64.12 लाख लोग बिहार में भी गलत लाभ उठा रहे थे
- 5 लाख झारखंड और चार लाख पंजाब में फर्जी लाभार्थी

“सतत निगरानी और आधार से फर्जी लाभार्थी पकड़े गए। इन्हें मंत्रालय की सभी कल्याणकारी योजनाओं से निकाल दिया गया है।

—मैनका गांधी, केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री

मार्च 2017 से 8 फरवरी 2018 के बीच 1 करोड़ 38 लाख 93 हजार लाभार्थी घट गए। 31 मार्च 2017 तक 9 करोड़ 83 लाख 42 हजार 390 लाभार्थी थे, जो 8 फरवरी

2018 को 8 करोड़ 44 लाख 49 हजार 188 रह गए। योजना के तहत छह साल तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को पोषाहार दिया जाता है।